आज का पुरुषार्थ 18 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से इतना सरल बन जाये कि सभी विघ्न सभी समस्यायें हमारे सामने आते ही सरल बन जाये "*

हमें अपनी जीवन को **निर्विघ्न** जीना है। निर्विघ्न जीवन के लिए स्वयं को सरलता से भरपूर करे। इन सभी विकारों का, सूक्ष्म ईर्ष्या द्वेष का, परचिंतन का, वैर भाव का सम्पूर्ण त्याग कर दे।

क्योंकि यह चीजें हमें negative बनाकर हमारी **शक्तियों** को निर्वल बना देता है। और निर्विघ्न जीवन वही जी सकते है या **विघ्नविनाशक** वही बन सकते है जो सर्व शक्तियों से सम्पन्न हो।

जो आत्मा लम्बा काल निर्विघ्न जीवन जीयेंगी वही दुसरों के लिए **विघ्नविनाशक** बन जायेंगी। तो हमें स्वयं को भी लम्बा काल विघ्नों से मुक्त रखना है और अब भी और भविष्य में भी **विघ्नों को नष्ट करने का अभ्यास करना है।**

एकदिन आयेगा जब सारे संसार के विघ्नों को समाप्त करना होगा। हम विश्व के लिए विघ्नविनाशक बन जायेंगे। तो यह कला डेवेलप करेंगे कि हमें निर्विघ्न जीवन जीना है, **सहज भाव** से जीवन जीना है।

हर **छोटी बात** को विघ्न मान लेना यही सबसे बड़ी कमजोरी है। बहुत हल्के रहे, मुस्कुराते रहे। कुछ बातें आती है उसे केयर न करे, जैसे आये है चले भी जायेंगे। हम उसपर react न करे। तो वह स्वतः ही नष्ट हो जायेंगी।

लेकिन इसके लिए चाहिए **बहुत ऊँचा स्वमान।** और जीवन में बड़ी बातें आ जाये, कोई आपको insult करता हो, रोज़ रोज़ बूरा व्यवहार करता हो, आपकी **भावनाओं** को hurt करता हो, लेकिन आप परेशान न हो।

अपने **श्रेष्ठ स्वमान में रहे** और **याद करते रहे**, हमें तो भगवान स्वयं सम्मान दे रहा है, हम मनुष्य से मान लेकर क्या करेंगे? कभी कभी लगातार मनुष्य के जीवन में विघ्नों के बादल उभरते रहते है। अपने को चारों ओर विघ्नों से घिरा हुआ पाता है।

एक जाता है, खुशी छीन कर और दुसरा तैयार रहता है। अंदर से सभी शक्तियों को नष्ट कर देता है। तीसरा भी आता है, और निराशा और उदासी

की अंधकार में ढकेल देता है। तो मनुष्य सोचता है क्या करूँ? तो बाबा के एक महावाक्य भूलना नहीं कि ...

" जब बच्चे के ऊपर विघ्न आते है तब बच्चे सोच-सोचकर इतना उलझ जाते है और यह भी भूल जाते है कि ... " **हमें कौन साथ दे रहा है** "

अगर योग न भी लग रहा हो फिर भी इसी स्मृति को पक्का कर दे ...

" स्वयं भगवान हमें साथ दे रहा है .. उसकी छत्रछाया के नीचे हम पल रहे है .. उसकी सुरक्षा हमारे ऊपर है .. जैसे कि वह हमारा वडिगार्ड है .. हमारे विघ्नों को नष्ट करता है और हमें भी शक्ति देते है विघ्नविनाशक बनने की "

तो अपने शक्तियों को बढ़ाये। जो बहुत शक्तिशाली बन जायेंगे वही विश्व के लिए वरदान होंगे। क्योंकि संसार में तूफान आने वाले है। सबकुछ खतम हो जायेगा। न मेरे रहेंगे न मेरा रहेगा। और हमें देखना पड़ेगा।

और साथ ही साथ हमे **पूर्व जन्मों के विकर्मो का भी समाप्त करना होगा**, भोग-भोगकर। वह सामने आ जायेंगे। बहुत कष्टकारी होंगे। हमें सहन करना ही पड़ेगा।

तो रोज़ सवेरे बाबा से वरदान ले ले ... " **मेरा जीवन निर्विघ्न है और मैं विघ्नविनाशक हूँ** "

और जीये भी सहज भाव से कि विघ्न का एहसास भी न हो। और याद रखेंगे, जितने हम सरल होंगे उतना ही विघ्न और समस्यायें भी सरल होकर समाप्त हो जायेगी।

तो आज सारा दिन इस स्वमान का अभ्यास करेंगे ....

" मैं विघ्नविनाशक हूँ .. बाबा मेरे साथ है हजार भुजाओं के सहित "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org